नईदुनिया

सैकडों साल पुरानी युवती की कब्र ने चौकाया वैज्ञानिकों को

मास्को

रूस के तुवा गणराज्य में एक डूबे हुए इलाके की खुदाई के दौरान करीब 2137 साल पुरानी एक युवती की कब्र मिली। इस युवती को पुरातत्वविदों ने नताशा नाम दिया, लेकिन सबसे हैरतअंगेज बात उसके साथ मिला एक खास बाक्स था, जो आज के अत्याधुनिक आईफोन से मिलता-जुलता था। इस इलाके को स्थानीय रूप से अटलांटिस नाम से जाना जाता है। यह खोज 2019 में हुई थी, लेकिन अब इसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जहां कुछ लोग इसे टाइम ट्रैवल का सबूत बता रहे हैं तो कुछ इसे प्राचीन इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना मान रहे हैं। तुवा इलाका रूस का एक खूबसूरत पहाड़ी क्षेत्र है, जहाँ सयानो-शुशेनस्काया बांध के पास एक नेक्रोपोलिस (कब्रिस्तान) है जो अधिकांश समय पानी में डूबा रहता है। सूखे मौसम में जब बांध का पानी कम होता है, तभी ऐसे पुरातात्विक स्थलों की खुदाई संभव हो पाती है। इसी दौरान डा. पावेल लियुस के नेतृत्व वाली पुरातत्वविदों की टीम को यह कब्र मिली। टीम ने बताया कि कब्र में दफन महिला हून्नू युग (शियांग्नू) की थी, जो 92 ईसा पूर्व से 71 ईस्वी के आसपास का माना गया है। रेडियोकार्बन डेटिंग से इसकी पुष्टि हुई।

यह महिला अपने समय की एक फैशनेबल युवती थी, जिसका बेल्ट चीनी वुजू सिक्कों से सजा हुआ था, जो डेटिंग में एक महत्वपूर्ण सुराग साबित हुआ। हालांकि, सभी का ध्यान जिस वस्तु ने खींचा, वह था उसका बेल्ट बकसुआ।

यह काला जेट स्टोन (लिग्नाइट) से बना था, जिसका आकार लगभग 7 इंच गुणा 3.5 इंच था। इस पर टर्क्वाइस और लाल रंग की सुंदर नक्काशी की गई थी। इसके दोनों तरफ छेद थे - एक तरफ बेल्ट फिक्स करने के लिए और दूसरी तरफ क्लैस्प (अकड़न) के लिए। इसका आयताकार आकार, चिकनी सतह और आधुनिक दिखने वाली सजावट देखकर हर किसी को तुरंत आईफोन की याद आ गई, और मीडिया ने इसे तुरंत नताशा का आईफोन नाम दे दिया। पास की तीन अन्य कब्रों में भी ऐसे ही जेट बकल मिले, लेकिन नताशा की कब्र में मिला बकसुआ सबसे बड़ा और भारी था। पुरातत्वविदों का स्पष्ट कहना है कि यह कोई फोन नहीं, बल्कि एक बेल्ट बकसुआ है, जो प्राचीन काल में काफी प्रचलित थे। फिर भी, इसका डिजाइन इतना समकालीन और आधुनिक लगता है कि लोग यह सवाल पूछने को मजबूर हैं कि क्या प्राचीन लोग इतनी उन्नत कला और डिजाइन की समझ रखते थे। हून्नू ()) (शियांग्नू) लोग मंगोलिया और दक्षिणी साइबेरिया के घुमंतू योद्धा थे, जिनका चीन के साथ अक्सर संघर्ष चलता रहता था।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के दो प्रांतों में बरसात से बाढ़ जैसे हालात, 23 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दो प्रांतों में बरसात से जान-माल की भारी क्षति हुई है। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बारिश से हालात बेकाबू हो गए हैं। बड़ी संख्या में घर ढह गए हैं। इस दौरान कम से कम 23 लोगों की जान चली गई। लगातार हो रही बारिश से घरों की दीवारों में बिजली का करंट दौड़ने लगा है। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में भारी बारिश से हुई तबाही की ब्यौरा जारी किया है। प्राधिकरण के अनुसार, पंजाब और में नौ लोगों की जान चली गई, जबकि दर्जनों अन्य घायल हो गए। लाहौर के पास रायविंड के कोट बाबू खान इलाके में एक घर की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। लाहौर के गुलशन रवि में बैंड रोड के पास छत गिरने से चार लोग घायल हो गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, पाकपट्टन के गांव 75-डी में एक महिला, होटा में एक युवक, गुजरात में एक व्यक्ति की मौत हो गई। गुजरात में छह और सियालकोट में घर ढहने से तीन लोग घायल हो गए। गुजरांवाला में तीन लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। बिजली का करंट लगने की तीन अलग-अलग घटनाओं में एक व्यक्ति की जान चली गई और दो अन्य घायल हो गए। साहीवाल में छत गिरने की घटनाओं में एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। मंडी बहाउद्दीन में छत और दीवार गिरने की अलग-अलग घटनाओं में आठ लोग घायल हो गए, जबकि बहावलनगर में शेड गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया।

जयशंकर ने मनीला में आसियान पोस्ट मिनिस्टीरियल कान्फ्रेंस में कहा- अब स्वास्थ्य सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जा सकता

मनीला (फिलीपींस)। भारतीय विदेशमंत्री डा. एस. जयशंकर ने कहा कि ऊर्जा, भोजन और स्वास्थ्य सुरक्षा को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता। भारत और आसियान भविष्य की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। उन्होंने यह विचार मनीला में आयोजित भारत के साथ आसियान पोस्ट मिनिस्टीरियल कान्फ्रेंस में व्यक्ति किए। जयशंकर ने एक्स पर अपने शुरुआती संबोधन का वीडियो भी साझा किया। जयशंकर ने कहा कि हम सब समुद्री व्यापार पर अत्यधिक निर्भर हैं। इसलिए यह भी चिंता का विषय बन सकता है। इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना जरूरी है। संयोग से, 2026 आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष है। यह स्मरण कराता है कि हम ज्यादा स्थिर और सुरक्षित भविष्य के लिए क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत-आसियान एजेंडे में व्यापार,निवेश, लोगों की आवाजाही, टैलेंट, टेक्नोलाजी, डिजिटल, एआई, ग्रीन, सस्टेनेबिलिटी और कनेक्टिविटी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि फिलीपींस ने 2026 के लिए आसियान की अध्यक्षता संभाली है।

पीओके में जनआंदोलन से पाकिस्तान की बढ़ी बेचैनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भारी सियासी हलचल और जनआंदोलन के बीच जम्मू कश्मीर जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। संगठन ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता होने की सोशल मीडिया पर उड़ रही खबरों को पूरी तरह से बेबुनियाद और भ्रामक करार दिया है। कमेटी ने स्पष्ट किया है कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद अभी तक कोई लिखित या अंतिम समझौता नहीं हुआ है। इस तरह के दावों को आंदोलन को कमजोर करने की साजिश बताया गया है। जेएएसी के कोर सदस्यों ने जोर देकर कहा कि उनकी लड़ाई शांतिपूर्ण ढंग से बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी। संगठन ने अपने समर्थकों और स्थानीय नागरिकों को 23 जुलाई को होने वाले विरोध प्रदर्शनों के लिए पूरी तरह मुस्तैद रहने का आह्वान किया है। कमेटी के वरिष्ठ नेताओं ने 23 जुलाई की तारीख को इस पूरे आंदोलन का निर्णायक मोड़ बताया है। इस दिन पीओके के विभिन्न क्षेत्रों में विशाल रैलियां, शटडाउन और सिट-इन धरने आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिकी हमले की 11वीं रात, ईरान के सैन्य ठिकानों पर बरसाए बम, तेहरान में वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय

तेहरान/वाशिंगटन,

अमेरिका ने लगातार 11वीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर बमबारी की है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है।सेंटकाम ने एक्स पर लिखा, ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला शुरू किया। यह लगातार 11वीं रात है। अमेरिकी हमलों की ताजा श्रृंखला को देखते हुए तेहरान में वायु रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) को सक्रिय किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी हमले को देखते हुए ईरान ने राजधानी तेहरान के कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव किया है। ईरान की सरकारी प्रसारक संस्था आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान के पश्चिम, पूर्व और उत्तर-पूर्वी इलाकों में धमाकों की आवाज सुनी गई। सेंटकाम ने कहा, पिछले तीन महीनों में ईरान ने क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से गुजरने वाले 30 से ज्यादा कमर्शियल जहाजो पर हमला किया है। बेवजह किए गए हमलों ने सैकड़ों निर्दोष नाविकों की जान खतरे में डाली है और नेविगेशन की आजादी को कमजोर किया है।

बताया गया है कि इस बीच कतर के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने सऊदी अरब के विदेशमंत्री फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला अल सऊद से टेलीफोन पर बातचीत की। कतर के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने तनाव कम करने, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने के लिए राजनयिक प्रयासों को तेज करने तथा आपसी समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की। शेख मोहम्मद ने जोर दिया कि सभी पक्ष कूटनीति के प्रति प्रतिबद्ध रहें। अमेरिका तथा ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन में सहमत प्रावधानों को लागू करवाने के लिए प्रयास करें। अमेरिका-ईरान युद्ध की गूंज अमेरिकी सीनेट में हुई है। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ को कांग्रेस की सुनवाई के दौरान ईरान से जुड़े सैन्य अभियान और उस पर होने वाले खर्च को लेकर विपक्ष के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा।

महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ एकीकृत हमले शुरू किए। पहले ही दिन ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई, उनके परिवार के कई सदस्य और वरिष्ठ कमांडर मारे गए। इस बीच सुलह के प्रयास भी हुए। जून में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों ने बातचीत शुरू की। संघर्ष विराम भी हुआ। बावजूद इसके अमेरिका और ईरान के बीच हमले जारी रहे। तब से होर्मुज जलडमरूमध्य ही मुख्य तनाव के केंद्र में है।

अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने पिछले हफ्ते जार्डन के एयर बेस पर हुए हमले में मारे गए तीसरे सैनिक की पहचान कर ली है। रक्षा विभाग ने बयान में कहा, माना जा रहा है कि न्यूयार्क के ओजोन पार्क के 28 वर्षीय सार्जेंट एंजेल एस. रामप्रसाद की मौत 17 जुलाई को जार्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर ईरान के हमले के दौरान हुई थी। घटना की जांच चल रही है। सेंटकाम ने पहले इस सैनिक को लापता घोषित किया था। विभाग ने कहा कि इस हमले में टेक्सास के कैरोलटन की 19 साल की इसाबेला गोंजालेस और हवाई के एवा बीच के 25 वर्षीय फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर फीहन की भी मौत हो गई।

रक्षा विभाग ने इराक में मारे गए एक सर्विस मेंबर की भी पहचान की है। इसके साथ ही युद्ध शुरू होने के बाद से मारे गए अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या 18 हो गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इस महीने ईरानी हमलों में लगभग 100 अमेरिकी सर्विस मेंबर घायल हुए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को उन अमेरिकी सैनिकों के सम्मानजनक हस्तांतरण समारोह में शामिल होंगे जो हाल के दिनों में ईरान के हमलों में मारे गए हैं। समारोह डेलावेयर में डोवर एयर फोर्स बेस पर सुबह 11 बजे होगा।

उधर, ईरान भी पूरी तरह आक्रामक है। कुवैत ने कहा कि वह ईरानी ड्रोन हमलों से बचाव कर रहा है। एयर डिफेंस सिस्टम हमलों को रोक रहा है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स ने कहा कि कुवैत के अली अल सलेम बेस को निशाना बनाया गया है। वहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

अफगानिस्तान में बाढ़: 20 की मौत, 100 से अधिक लापता

काबुल

पूर्वी अफगानिस्तान में अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। प्राकृतिक आपदा के कारण कम से कम 20 लोगों की जान चली गई है, जबकि 80 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, इस त्रासदी का सबसे भीषण प्रभाव पूर्वी प्रांत नूरिस्तान और पारून के आसपास के क्षेत्रों में देखने को मिला है, जहां सैकड़ों मकान और उपजाऊ कृषि भूमि पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं।

राहत और बचाव एजेंसियां प्रभावित इलाकों में लापता लोगों की तलाश और पीड़ितों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर अभियान चला रही हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में बाढ़ के प्रचंड बहाव में ताश के पत्तों की तरह ढहते कच्चे घर और असहाय लोग साफ देखे जा सकते हैं। इस प्राकृतिक प्रकोप के बीच मौसम विभाग ने देश के 34 में से 10 प्रांतों में भारी बारिश, तेज आंधी और फ्लैश फ्लड की नई चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने नदियां और जोखिम वाले संवेदनशील इलाकों के पास रहने वाले निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सख्त हिदायत दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस भीषण आपदा के पीछे केवल मूसलाधार बारिश ही जिम्मेदार नहीं है। दशकों से जारी युद्ध और संघर्ष के कारण जर्जर हो चुका इंफ्रास्ट्रक्चर, कमजोर अर्थव्यवस्था, बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और अधिक विकराल बना दिया है। अफगानिस्तान के ग्रामीण इलाकों में अधिकांश मकान मिट्टी के बने हैं, जो अचानक आने वाले पानी के तेज बहाव और भूस्खलन के सामने टिक नहीं पाते। उल्लेखनीय है कि चालू वर्ष की शुरुआत में भी अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 110 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी थी। ताजा बाढ़ ने एक बार फिर देश में आपदा प्रबंधन प्रणाली और कमजोर ढांचे की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है।

नेपाल में बागमती सरकार से यूएमएल के छह मंत्रियों का सामूहिक इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल की बागमती प्रदेश सरकार को बड़ा झटका लगा है। केंद्र में सत्ता समीकरण बदलने के बाद नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) यानी सीपीएन-यूएमएल ब्लूके सभी छह मंत्रियों ने प्रदेश सरकार से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। मंत्रियों ने एक साथ अपने इस्तीफे इन्द्र बहादुर बनियां को सौंपे। इस्तीफा देने वालों में कृषि एवं पशुपालन मंत्री मधुसूदन पौडेल, भौतिक अवसंरचना विकास मंत्री डा. दिनेश चन्द्र देवकोटा, उद्योग, पर्यटन, श्रम एवं परिवहन मंत्री जयराम थापा, वन एवं पर्यावरण मंत्री भरत बहादुर केसी, स्वास्थ्य मंत्री किरण थापा तथा उद्योग, वाणिज्य, भूमि एवं प्रशासन मंत्री बिन्दु श्रेष्ठ शामिल हैं। सभी मंत्री काठमांडू से लौटने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे और अपना इस्तीफा सौंपा । यूएमएल ने सरकार से अपना समर्थन भी वापस ले लिया । इसके बाद मुख्यमंत्री इन्द्र बहादुर बनियां के नेतृत्व वाली सरकार विधानसभा में अल्पमत में आ गई है, जिससे सरकार के भविष्य पर राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ गई है। बागमती में सरकार का गठन नेपाली कांग्रेस और यूएमएल के गठबंधन से हुआ था, जिसमें नेपाली कांग्रेस की ओर से इन्द्र बहादुर बनियां को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

कनाडा ने पाकिस्तान को करोड़ों डालर की मदद का किया ऐलान, भारत से रिश्ते सुधारने की कोशिशों के बीच बड़ा कदम

टोरंटो

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की पाकिस्तान यात्रा के समापन से ठीक पहले कनाडा ने इस्लामाबाद को 47 मिलियन डालर (करीब 4.7 करोड़ डालर) से अधिक की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह धनराशि पाकिस्तान में विकास कार्यों और सुरक्षा पहलों पर खर्च की जाएगी। कनाडा का यह कदम ऐसे समय में आया है जब वह भारत के साथ अपने कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों को फिर से पटरी पर लाने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, इस पैकेज में से 2.2 मिलियन डालर से अधिक की नई फंडिंग सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए दी गई है, जिसमें इंटरपोल, यूएन आफिस आन ड्रग्स एंड क्राइम और रायल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के संयुक्त प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अलावा, कनाडा से जुड़े तीन विकास आधारित प्रोजेक्ट्स के लिए 45 मिलियन डालर की राशि मंजूर की गई है। इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाते हुए भारत के खिलाफ कनाडा से कूटनीतिक समर्थन की मांग भी की।

भारत और कनाडा के रिश्तों में पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान काफी कड़वाहट आ गई थी, जब सरे में हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर अनर्गल आरोप लगाए गए थे। हालांकि, हाल ही में कनाडाई पुलिस प्रशासन (आरसीएमपी) ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच और दर्ज आरोपों में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता की ओर इशारा करता हो, और भारत ने जांच में पूरा सहयोग दिया है। कनाडा में नए नेतृत्व और प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के पद संभालने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में तेजी से सुधार देखा गया है। अमेरिका पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत कनाडा भारत के साथ साझेदारी मजबूत कर रहा है। इसी साल कनाडाई प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान यूरेनियम और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर द्विपक्षीय समझौते हुए थे। इसके अलावा, जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री के बीच हुई सकारात्मक बैठकों ने दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों की प्रतिबद्धता को और दृढ़ किया है।

अमेरिकी सशस्त्र बलों को 1.5 ट्रिलियन डालर की जरूरत, ज्वाइंट चीफ्स आफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन ने सीनेट को वजह भी बताई

वाशिंगटन

अमेरिकी सशस्त्र बलों को मौजूदा और भविष्य की चुनौती का सामना करने के लिए तत्काल 1.5 ट्रिलियन डालर (भारतीय मुद्रा में लगभग 130 लाख करोड़ रुपये) की जरूरत है। अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स आफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने मंगलवार को सीनेट से 1.5 ट्रिलियन डालर के अतिरिक्त रक्षा बजट को मंजूरी देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सशस्त्र बलों को भविष्य की सैन्य चुनौतियों का सामना करने, अहम तकनीक में निवेश बढ़ाने और दुश्मनों से आगे रहने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डालर के इस अनुरोध को स्वीकार करना वक्त की जरूरत है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, डैन केन ने सीनेट की एप्रोप्रिएशन कमेटी के समक्ष गवाही दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ऐतिहासिक बजट प्रस्ताव में पहले ही रक्षा बजट को बढ़ाकर 1.5 ट्रिलियन डालर करने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं। यह पिछले वर्षों के मुकाबले भारी बढ़ोतरी है। इस कारण घरेलू कार्यक्रमों में कटौती का प्रस्ताव किया। डैन कैन अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के साथ गवाही देने पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं आज आपके मदद मांगने आया हूं। सशस्त्र बलों को 1.5 ट्रिलियन डालर की जरूरत है। यह अतिरिक्त फंड उसी का एक हिस्सा है। उन्होंने सीनेट से इस फंड का इस्तेमाल सैन्य कर्मियों के वेतन, आपरेशन और रखरखाव के खर्चों को पूरा करने और अहम तकनीक में निवेश बढ़ाने के लिए करने की अनुमति मांगी।

हेगसेथ ने कहा कि इस आर्थिक मदद से अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में आपरेशन जारी रखने, रूस और चीन जैसे दुश्मनों का मुकाबला करने में और सक्षम होगा। हेगसेथ ने कहा कि हम खतरनाक दुनिया में रहते हैं। इसके लिए साहसिक और त्वरित कार्रवाई की जरूरत है। इसलिए वित्तीय वर्ष 2026 के लिए यह अतिरिक्त मांग की गई है। इस पर सीनेटर की अलग-अलग राय सामने आई है। रिपब्लिकन सीनेटर जान कैनेडी ने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस और अमेरिकी जनता को पेंटागन से कुछ जवाब चाहिए। उन्होंने कहा, हमें अमेरिकी लोगों को यह समझाने का तरीका निकालना होगा कि हम वहां क्यों गए और कैसे बाहर निकलेंगे और ऐसा करते हुए हम ईरान की परमाणु हथियार हासिल करने की क्षमता को कैसे कम करेंगे।

डेमोक्रेटिक सीनेटर डिक डर्बिन ने कहा कि हेगसेथ और केन युद्ध के खर्च को सही नहीं ठहरा पाए। दोनों यह नहीं बता पा रहे हैं कि यह पैसा कैसे खर्च किया जाएगा। डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन पता ही नहीं है कि वह क्या कर रहा है। जीओपी सीनेटर जान होवेन ने युद्ध पर खर्च हुए अरबों डालर के बारे में कहा, देखिए, यह एक ऐसा काम है जो हमें करना ही है।आखिरकार, आप जानते हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना एक बड़ा खतरा है।